भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *201

उत्तर देने की तारीख 15 दिसंबर, 2025
24 अग्रहायण, 1947 (शक)

विकसित भारत युवा संसद

†*201. श्री अनूप 'संजय धोत्रे :
डॉ. हेमांग जोशी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विकसित भारत युवा संसद 2025 पहल के अंतर्गत चर्चा के लिए “एक राष्ट्र, एक चुनाव” और “विकसित भारत” नामक विषयों का चयन किए जाने के पीछे क्या औचित्य है;

(ख) युवा संसद की पहल किस प्रकार पारंपरिक युवा संसद मॉडल से सहभागितामूलक मॉडल में परिवर्तन–दर्शाती है;

(ग) विकसित भारत युवा संसद विकसित भारत @2047 के व्यापक मिशन में किस प्रकार योगदान दे रही है;

(घ) सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के युवाओं की भागीदारी में भारत के युवाओं की विविध संभावनाओं को किस प्रकार दर्शाया गया है; और

(ङ) उक्त पहल के माध्यम से युवाओं को राजनीति, नीति निर्माण और शासन से जोड़ने में सरकार द्वारा क्या भूमिका परिकल्पित की गई है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ङ) : एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

विकसित भारत युवा संसद के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री अनूप संजय धोत्रे और डॉ हेमांग जोशी द्वारा दिनांक 15.12.2025 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. †*201 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) इन विषयों का चयन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विविध, गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि के युवाओं की विस्तृत भागीदारी को बढ़ावा देने के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, सार्वजनिक जीवन में वृहद युवा जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था, जिससे विकसित भारत @2047 के संपूर्ण दृष्टिकोण में योगदान हुआ था।

(ख) और (ग) विकसित भारत युवा संसद पूर्व के युवा संसद महोत्सव का उन्नत रूपांतरण है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी के गतिशील, समाधान-उन्मुख और नीतियों से अवगत युवा नेताओं को तैयार करना है। इस कार्यक्रम का आयोजन तीन स्तरों पर किया गया था। ज़िला स्तर के चरण निर्धारित ज़िला नोड्स में आयोजित किए गए थे जिसके उपरांत राज्य स्तर के कार्यक्रम 17 राज्य विधानसभाओं में और शेष 18 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में आयोजित किए गए। इन राज्य स्तरीय चरणों ने युवाओं और शासन के बीच संवाद को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। इन सत्रों की अध्यक्षता राज्यों के विधान सभा के अध्यक्षों (स्पीकर्स) ने की, जिससे विचार-विमर्श में संस्थागत विश्वसनीयता बढ़ी।

राष्ट्रीय स्तर पर, विकसित भारत युवा संसद ने पिछले संस्करणों से एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। पूर्व में, केवल राज्य चैंपियन ही अपने विचार प्रस्तुत कर सकते थे, जबकि शेष दो प्रतिभागी दर्शकों के रूप में भाग लेते थे। पुन: परिकल्पित प्रारूप के तहत, प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के शीर्ष तीन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय कार्यक्रम में पूर्ण रूप से भाग लिया। वे "एक राष्ट्र, एक चुनाव" और "विकसित भारत" पर आधारित उद्घाटन टिप्पणी,एक प्रश्नकाल सहित संरचित चर्चाओं और विषयगत गतिविधियों की एक श्रृंखला में व्यस्त रहे तथा उन्होंने नीति विशेषज्ञों द्वारा मास्टर क्लास और प्रतिभागियों के बीच छोटी चर्चा में भाग लिया।

(घ) विकसित भारत युवा संसद में भाग लेने वाले युवा सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से विभिन्न भाषाई, सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमियों से आए थे उनकी विविध प्रकार की राय, अनुभव और विचार देश भर में युवाओं के दृष्टिकोण की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करती है।

(ङ) विकासित भारत युवा संसद (वीबीवाईपी) कार्यक्रम इसके सभी चरणों में भाग लेने वाले युवाओं के लिए संरचित क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करता है। जिला और राज्य स्तर पर, प्रतिभागी विधायी प्रक्रियाओं, सार्वजनिक नीति संबंधी मामलों और संरचित वाद-विवाद की अपनी समझ को मजबूत करने के लिए मोडरेटेड संसदीय आभासों (सिमुलेशन) में भाग लेते हैं। राष्ट्रीय दौर में, प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के शीर्ष तीन प्रतिभागी उद्घाटन टिप्पणी, एक विषयगत प्रश्नकाल नीति विशेषज्ञों द्वारा एक मास्टर क्लास और समकालीन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर निर्देशित चर्चा जैसे व्यापक कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इसके माध्यम से अधिक समावेशिता और युवा विचारों की

विविध श्रृंखला को सुनने और उन पर वाद-विवाद के एक खुले मंच का सृजन सुनिश्चित किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा सामूहिक रूप से एक संरचित और पर्यवेक्षित ढांचे के भीतर प्रतिभागियों की नीति जागरूकता, संचार क्षमताओं और नेतृत्व कौशल को बढ़ाया गया।

*****